जिलाधिकारी महोदय, आगरा की अध्यक्षता में दिनांक 09 अक्टूबर, 2025 को शाम 6:00 बजे से जिला पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक का कार्यवृत्त।

जिलाधिकारी महोदय, आगरा की अध्यक्षता में दिनांक 09 अक्टूबर, 2025 को जिला पेयजल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक आवास स्थित सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे), आगरा, समस्त सहायक अभियंता, उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण),

श्री विरेन्द्र सहायक अभियंता, लघु सिंचाई, श्री सुमित कुमार सिंह, पी0ई0ओ, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, श्री मनीष कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी, श्री अमित रावत, एस0डी0एम0ओ0, श्री अरविन्द कुमार मिश्रा, उप प्रभागीय वनाधिकारी, श्री शैलेन्द्र कुमार शर्मा, डी0आई0ओ0, श्री दीपक कुमार, ए0डब्लू0डी0, श्रीमती रेनु कुमार, पी0डी0, डी0आर0डी0ए0, श्री ललित कुमार, सहा0अभि0, श्री रविन्द्र जैन, डीपीएम, टीपीआई, श्री आनन्द कुमार सिंह, जिला समन्वयक, डीपीएमयू, कार्यदायी संस्था मै0 एन0सी0सी0 लि0 से श्री राकेश कृष्णा, डीजीएम, मै0 गंगा इंजीनियरिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर लि0 से श्री नवीन बजराला, प्रोजेक्ट मैनेजर और श्री दीपक कुमार डीपीएम आदि उपस्थित रहे।

बैठक में सतही स्त्रोत आधारित ग्राम समूह पेयजल योजना की प्रगति पर एजेन्सीवार चर्चा की गयी –

<u>मै0 एन0सी0सी0–एपको(जे0वी0), पैकेज–01</u>

1. **भूमिगत जलाशय (CWR) की प्रगति–** जल जीवन मिशन के अंतर्गत मै0 एन0सी0सी0 द्वारा कुल 17 सी0डब्ल्यू0आर0 का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। अधिशासी अभियन्ता द्वारा बताया गया कि कार्य की प्रगति अत्यंत धीमी है। 06 सीडब्लूआर पर 51–75 प्रतिशत एवं 11 सीडब्लूआर पर 76–99 प्रतिशत कार्य प्रगति पर है जिस पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा डीजीएम, एन0सी0सी0 को तत्काल मैनपावर व मशीनरी बढ़ाते हुए सर्वोच्च प्राथमिकता पर कार्य प्रारम्भ करने के निर्देश दिये गये। इसके साथ ही निर्देशित किया गया कि टीपीआई तथा जल निगम के अभियन्ताओं द्वारा आरएमसी प्लांट पर निर्माण सामग्री की नियमित जाँच की जाये।

2. **पम्प हाउस (Pump House) की प्रगति–** जल जीवन मिशन के अन्तर्गत मै0 एन0सी0सी0 द्वारा 17 सीडब्लूआर तथा 17 पम्प हाउस का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। अधिशासी अभियन्ता द्वारा बताया गया कि 17 सीडब्लूआर के पम्प हाउस पर 51–75 प्रतिशत कार्य प्रगति पर है जिस पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा डीजीएम, एन0सी0सी0 को तत्काल मैनपावर व मशीनरी बढ़ाते हुए सर्वोच्च प्राथमिकता पर कार्य प्रारम्भ करने के निर्देश दिये गये।

3. **पाइप लेइंग –** सहायक अभियंता उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि कार्यदायी संस्था को कुल 1967.71 किमी पाइप बिछाये जाने के सापेक्ष 1100.98 किमी कार्य पूर्ण हो चुका है। जिसमें से MS Pipe 165.31 किमी0 एवं DI Pipe 1802.40 किमी0 बिछाया जाना प्रस्तावित है MS Pipe 156.74 किमी0 एवं DI Pipe 1708.19 किमी0 पाइप की आपूर्ति की जा चुकी है तथा MS Pipe 76.79 किमी0 एवं DI Pipe 1024.19 किमी0 पाइप लाइन बिछाये जाने का कार्य पूर्ण हो चुका है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा डीजीएम एन0सी0सी0 को निर्देशित किया गया कि टीम व मैनपावर की संख्या बढ़ाते हुए, स्वीकृत ड्राइंग एवं डिजाइन तथा गुणवत्ता मानकों का पालन कराते हुए कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

4. **हाइड्रोटेस्टिंग–** समीक्षा बैठक में सहायक अभियंता उ0प्र0जल निगम(ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि 1100.98 किमी पाइप लेइंग की गयी है जिसके सापेक्ष 201.06 किमी की हाइड्रोटेस्टिंग हुई है जो कि बहुत कम है इस पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा नाराजगी व्यक्त की गयी तथा डीजीएम, एनसीसी को निर्देशित किया गया कि निर्धारित मानकों के अनुसार सभी पाइपों की हाइड्रोटेस्टिंग की जाये। हाइड्रोटेस्टिंग टीपीआई तथा जल निगम के सहायक अभियंता/अवर अभियंताओं की उपस्थिति में की जाये। यह भी सुनिश्चित किया जाये कि जो पाइप बिछाये जा चुके हैं सभी की अनिवार्य रूप से मानक के अनुसार प्रेशर बनाए रखते हुए हाइड्रोटेस्टिंग की जाये जिससे भविष्य में पानी लीकेज की समस्या न हो।

5. **रोड़ रेस्टोरेशन–** अधिशासी अभियंता द्वारा बताया गया कि कार्यदायी संस्था मै0 एन0सी0सी0 द्वारा रोड़ डिस्मेन्टलिंग 20.69 किमी की गयी है जिसके सापेक्ष में 5.38 किमी कार्य पूर्ण किया जा चुका है। शेष 15.31 किमी0 रोड रेस्टोरेशन का कार्य लंबित है। जिस पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा निर्देशित किया गया कि गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखते हुए रोड रेस्टोरेशन का कार्य सहायक अभियंता जल निगम (ग्रामीण) अपनी देख रेख में ब्लॉक स्तर के संबंधित जू0 इंजीनियर एवं ग्राम पंचायत के लेखपाल की उपस्थिति में रोड़ रेस्टोरेशन का कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

6. **नॉन–कंप्लायंस रिपोर्ट–** अधिशासी अभियन्ता द्वारा बताया गया कि मै0 एन0सी0सी0 पर कुल 79 एन0सी0 लगायी गयी थी जिसमें से 76 एन0सी0 का अनुपालन हो गया है। वर्तमान में 03 एन0सी0 अभी लंबित है जिनको अभी तक कार्यदायी संस्था द्वारा पूर्ण नहीं की गया है। जिस पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा मै0 एन0सी0सी0 के डीजीएम, को

Scanned with OKEN Scanner

निर्देशित किया गया कि जल्द से जल्द लंबित एन0सी0 का नियमानुसार पूर्ण करायें तथा अनुपालन आख्या भिजवायें।

7. एन0ओ0सी0– जिलाधिकारी महोदय द्वारा मै0 एनसीसी के डीपीएम को निर्देशित किया गया कि नियमानुसार परमिट फीस के भुगतान को तत्काल लिया जाये। इसके साथ–साथ रेलवे एवं विभाग से सम्बन्धित जितनी भी एनओसी पेंडिंग है उसके लिए सम्बंधित अधिकारी से वार्ता कर प्रभावी पैरवी सुनिश्चित करें।

<u>मै0 मेघा इंजीनियरिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर लि. पैकेज–02</u>

1. ऊपर जलाशय (OHT) की प्रगति– अधिशासी अभियंता उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि कार्यदायी संस्था मै0 मेघा इंजीनियरिंग द्वारा अभी तक 407 के सापेक्ष मात्र 383 ओ0एच0टी0 पर कार्य किया जा रहा है। जिसमें 259 ओएचटी पर 0–25 प्रतिशत, 94 ओएचटी पर 26–50 प्रतिशत, 44 ओएचटी पर 51–75 प्रतिशत, 10 ओएचटी पर 76–79 प्रतिशत कार्य प्रगति पर है। टीपीआई द्वारा बताया गया कि 371 ओएचटी पर पीसीसी का कार्य पूर्ण हो चुका है। शेष बची हुई 17 ओएचटी पर खुदाई का कार्य पूर्ण हो चुका है एवं 16 ओएचटी पर कार्य अनारम्भ है। 232 ओएचटी ग्राउण्ड लेवल से ऊपर आ चुकी है। 92 ओएचटी पर स्टेजिंग बीम का कार्य हो चुका है। 45 ओएचटी पर स्लैब का कार्य पूर्ण हो चुका है। जिनमें से 10 ओएचटी पर सिंक एलम टैंक का कार्य पूर्ण हो चुका है। टी0पी0आई0 द्वारा बताया गया 1860 के सापेक्ष मात्र 187 मैनपावर उपलब्ध है जो कि बहुत कम है जिससे निर्माण कार्य अत्यन्त धीमी गति से हो रहा है जिस पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा नाराजगी प्रकट करते हुए मै0 मेघा इंजी0 के डीपीएम को निर्देशित किया गया कि तत्काल मैनपावर बढ़ायें एवं कार्य को समस्त गुणवत्ता के साथ पूर्ण करें तथा शेष बची 36 ओएचटी पर शीघ्र ही खुदाई/पीसीसी का कार्य करायें।

2. पाइप लेइंग– अधिशासी अभियंता उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि पाइप लेइंग के अन्तर्गत कुल 7567.76 किमी पाइप बिछाये जाने का लक्ष्य है जिसमें से कुल 6033 कि0मी0 पाइप की आपूर्ति की जा चुकी है तथा कुल 4414 किमी पाइप लाइन बिछाये जाने का कार्य पूर्ण हो चुका है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा मै0 मेघा के डीपीएम को निर्देशित किया गया कि वह शेष डिस्ट्रीब्यूशन पाइप की आपूर्ति को लक्ष्य के सापेक्ष पूर्ण कराना सुनिश्चित करें तथा टीम व मैन पावर की संख्या बढ़ाते हुए गुणवत्ता मानकों का पालन कराते हुए कार्य कराना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही टी0पी0आई0 को निर्देशित किया गया कि पाइप बिछाये जाने के दौरान लेइंग की गहराई का विशेष ध्यान रखते हुए मानक के अनुसार कार्य कराना सुनिश्चित करें।

3. हाइड्रोटेस्टिंग– समीक्षा बैठक में अधिशासी अभियंता उ0प्र0जल निगम(ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि 4414 किमी पाइप लेइंग की गयी है जिसके सापेक्ष 1037.40 किमी की हाइड्रोटेस्टिंग हुई है जो कि बहुत कम है इस पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा नाराजगी व्यक्त की गयी तथा पीएम, मेघा इंजी0 को निर्देशित किया गया कि निर्धारित मानकों के अनुसार सभी पाइपों की हाइड्रोटेस्टिंग की जाये। हाइड्रोटेस्टिंग टीपीआई तथा जल निगम के सहायक अभियंता/अवर अभियंताओं की ज्वाइंट उपस्थिति में की जाये। यह भी सुनिश्चित किया जाये कि जो पाइप बिछाये जा चुके हैं सभी की अनिवार्य रूप से मानक के अनुसार प्रेशर बनाए रखते हुए हाइड्रोटेस्टिंग की जाये जिससे भविष्य में पानी लीकेज की समस्या न हो।

4. रोड रेस्टोरेशन– अधिशासी अभियंता द्वारा बताया गया कि कार्यदायी संस्था मै0 मेघा इंजी0 द्वारा रोड डिस्मेंटलिंग 1290.03 किमी की गयी है जिसके सापेक्ष में 978.00 किमी कार्य पूर्ण किया जा चुका है। शेष 312.03 किमी0 रोड रेस्टोरेशन का कार्य लंबित है। जिस पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा नाराजगी प्रकट की गयी। मै0 मेघा के डीपीएम को निर्देशित किया गया कि तत्काल मैनपावर व मशीनरी बढ़ाते हुए रोड रेस्टोरेशन का कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें एवं पाइप लाइन बिछाने के दौरान सी0सी0 रोड की कटिंग जे0सी0बी0 से न कराकर रोड कटर से करायें व कॉम्पेक्टर के माध्यम से पूर्ण कॉम्पेक्शन करायें। जिलाधिकारी महोदय द्वारा निर्देशित किया गया कि गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखते हुए रोड रेस्टोरेशन का कार्य सहायक अभियंता जल निगम (ग्रामीण) अपनी देख रेख में ब्लॉक स्तर के सम्बंधित जू0 इंजीनियर की उपस्थिति में रोड रेस्टोरेशन का कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। जहाँ–जहाँ पर निर्माण कार्य चल रहे हैं वहां सम्बन्धित सहायक अभियन्ताओं द्वारा सेफ्टी मेजर का विशेष ध्यान रखा जाये, यदि किसी भी स्तर पर लापरवाही होती है तो सम्बन्धित की जवाबदेही निर्धारित करते हुए कठोर कार्यवाही की जायेगी।

5. नॉन–कम्प्लायंस रिपोर्ट– टी0पी0आई0 के डीपीएम द्वारा बताया गया कि मै0 मेघा इंजीनियरिंग को कुल 166 एन0सी0 लगायी गयी थी जिसमें से 118 एन0सी0 का अनुपालन हो गया है। वर्तमान में 48 एन0सी0 अभी लंबित है जिनको अभी तक कार्यदायी संस्था द्वारा पूर्ण नहीं की गयी है, जिस पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा मै0 मेघा इंजीनियरिंग के डीपीएम को निर्देशित किया गया कि जल्द से जल्द लंबित एन0सी0 को नियमानुसार पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

6. एन0ओ0सी0– अपर जिलाधिकारी, नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति द्वारा बताया गया कि मै0 मेघा इंजी0 द्वारा एन0ओ0सी0 के कार्यों में रुचि नहीं ली जा रही है वन विभाग में NOC के लिए मै0 मेघा इंजी0 द्वारा ऑनलाइन

Scanned with OKEN Scanner

आवेदन नही किया गया। अतः मै० मेघा इंजी० के डीपीएम को निर्देशित किया गया कि वन विभाग की एन०ओ०सी० तत्काल अप्लाई करें।

अतः आप सभी को निर्देशित किया जाता है कि परियोजना के ओएचटी, सीडब्ल्यूआर पर निर्माण कार्य तथा पाइप लेइंग आदि को निर्धारित डिजाइन ड्राइंग एवं गुणवत्ता मानकों के अनुसार तीव्र गति से पूर्ण करायें, नल संयोजन प्रत्येक दशा में घरों के अन्दर किये जाये। रोड रेस्टोरेशन के कार्यों को गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखते हुए पूर्ण कराया जाये तथा सुरक्षा मानकों का अनिवार्य रूप से पालन किया जाये। यदि भविष्य में निरीक्षण में उक्त के सम्बन्ध में लापरवाही/कमी पायी जाती है अथवा इस सम्बन्ध किसी भी प्रकार की शिकायत की पुष्टि होती है तो अनुबंध के अनुसार सुसंगत धाराओं/शर्तों के आधार पर कठोर दण्डात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी जिसका सम्पूर्ण उत्तरदायित्व आप सभी का होगा।

अधिशासी अभियंता/ सदस्य सचिव
(जिला पेयजल एवं स्वच्छता मिशन)
आगरा।

कार्यालय जिलाधिकारी आगरा।

(नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति)

पत्रांक 1182 /जे०जे०एम०/का०वृ०/ 2025 दिनांक 13-10-2025

प्रतिलिपि– निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. अधिशासी निदेशक महोदय राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, लखनऊ को सादर अवलोकनार्थ।
2. जिलाधिकारी महोदय को सादर सूचनार्थ।
3. मुख्य विकास अधिकारी महोदया।
4. अपर जिलाधिकारी, नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग, आगरा।
5. अधिशासी अभियंता, उ०प्र० जल निगम (नि०/ग्रा०), आगरा को इस निर्देश के साथ जहाँ–जहाँ सिविल कार्य पूर्ण हो चुका है वहां पर E&M के उपकरण/मशीनरी की आपूर्ति कराकर शीघ्र ही इन्स्टॉलेशन का कार्य प्रारम्भ करायें।
6. समस्त सहायक अभियंता उ०प्र० जल निगम(ग्रामीण), आगरा इस निर्देश के साथ प्रेषित कि वह स्वयं अपने–अपने क्षेत्रों में जाकर अपने पर्यवेक्षण में गुणवत्ता एवं मानकों का कड़ाई से अनुपालन कराना सुनिश्चित करें।
7. टी०पी०आई०ए०, किशनर कन्सल्टिंग इंजीनियर्स (इण्डिया) प्रा० लि० आगरा को इस निर्देश के साथ प्रेषित कि सतत पर्यवेक्षण करते हुए गुणवत्ता मानकों का विशेष ध्यान रखें।
8. जिला समन्वयक, जिला परियोजना अनुश्रवण इकाई (डी०पी०एम०यू०), आगरा को अनुपालनार्थ।
9. डी०जी०एम० मैसर्स एन०सी०सी० एफको (जे०वी०) (पैकेज–1), आगरा को अनुपालनार्थ।
10. प्रोजेक्ट मैनेजर मैसर्स मेघा इंजी० एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर लि० (पैकेज 2), आगरा को अनुपालनार्थ।

अधिशासी अभियंता/ सदस्य सचिव

Scanned with OKEN Scanner